



प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली 27 फरवरी, 2020

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

मार्च से मई 2020 के दौरान तापमान का ऋतुनिष्ठ आउटलुक

मुख्य बातें

- >मार्च-अप्रैल-मई(MAM) के दौरान पश्चिमोत्तर, पश्चिम तथा मध्य भारत के अधिकांश मौसम वैज्ञानिक उपखंडों और दक्षिण भारत के कुछ उपखंडों में औसत तापमान के सामान्य से गर्म रहने की संभावना है। शेष उपखंडों में तापमान के लगभग सामान्य रहने की संभावना है।
- > ऋतु (मार्च-मई) के दौरान उष्ण लहर (लू) वाले प्रमुख क्षेत्रों में सामान्य से अधिक उष्ण लहर की स्थितियों के बने रहने की संभावना है।

1 पृष्ठभूमि

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम.ओ.ई.एस.) वर्ष 2016 से देश के उपखंड स्केल तापमानों का मॉनसून मिशन युग्मित पूर्वानुमान प्रणाली (MMCFS) से गर्म और ठंडे दोनों मौसमों का पूर्वानुमान जारी कर रहा है। यह मॉडल पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मॉनसून मिशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत विकसित किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अब मार्च से मई 2020 तक की मानसून पूर्व ऋतु के दौरान उपखंडों के लिए औसत तापमान का ऋतुनिष्ठ आउटलुक तैयार किया है जिसे यहाँ दर्शाया गया है।

मॉनसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली में लगभग 38 कि.मी. के स्थानिक विभेदन और मॉडल भौतिकी के विकसित मॉड्यूल है। 27 वर्षों (1982 से 2008) के पूर्वानुमानों के आधार पर एक मॉडल जलवायु विज्ञान तैयार किया गया है। फरवरी 2020 की आरंभिक स्थितियों के आधार पर एम.एम.सी.एफ.एस. सिम्युलेशन का उपयोग करके मार्च से मई 2020 की ऋतु के लिए ऋतुनिष्ठ तापमान पूर्वानुमान आउटलुक तैयार करके यहाँ प्रस्तुत किया गया है। 32 एनसेम्बल पूर्वानुमानों का उपयोग करके यह पूर्वानुमान तैयार किया गया है। संभाव्यता वितरण प्रकार्य (pdf) विधि का उपयोग करके मॉडल हिंडकास्ट और पूर्वानुमानों में हुई त्रुटि का सुधार किया गया। इस मॉडल ने पश्चिमोत्तर

और मध्य भारत के कई उपखंडों में 1982-2008 तक की अवधि के दौरान सामान्य कौशल का परिचय दिया है।

2. मार्च-अप्रैल-मई (MAM) ऋतु 2020 के लिए पूर्वानुमान

मार्च से मई 2020 ऋतु के दौरान औसत अधिकतम, न्यूनतम और माध्य तापमान विसंगतियों (दीर्घ अवधि सामान्य से प्रत्यंतर) उपखंड के पूर्वानुमान क्रमशः चित्र 1, 2 और 3 में दर्शाया गया है। उत्तर-पश्चिमी, पश्चिम और मध्य भारत तथा दक्षिण भारत के कुछ उपखंडों में मार्च, अप्रैल, मई ऋतु के औसत तापमान पूर्वानुमान लगभग सामान्य से $\geq 0.5^{\circ}$ से. से अधिक गर्म रहने की संभावना है। शेष उपखंडों में तापमान के लगभग सामान्य रहने की संभावना है।

ऋतुनिष्ठ औसत अधिकतम तापमान (चित्र-1) हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश में सामान्य से $>1^{\circ}$ से. गर्म रहने की संभावना है। जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली (एच.सी.डी) , पश्चिम उत्तर प्रदेश, पूर्व राजस्थान, पूर्व और पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तटीय कर्नाटक, रायलसीमा और केरल में सामान्य से $\geq 0.5^{\circ}$ से. $<1^{\circ}$ से. तक अधिक गर्म रहने की संभावना है। शेष भारत में अधिकतम तापमान लगभग सामान्य (-0.5° से. और 0.5° से.) रहने की संभावना है।

ऋतुनिष्ठ औसत न्यूनतम तापमान (चित्र-2) उत्तराखंड में सामान्य से $>1^{\circ}$ से. अधिक गर्म रहने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली (एच.सी.डी) , अरुणाचल प्रदेश, पूर्व और पश्चिम राजस्थान, पूर्व और पश्चिम उत्तर प्रदेश, पूर्व और पश्चिम मध्य प्रदेश, गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तटीय कर्नाटक और केरल में सामान्य से $\geq 0.5^{\circ}$ से. से $<1^{\circ}$ से. तक अधिक गर्म रहने की संभावना है। देश के शेष भागों में लगभग सामान्य माध्य तापमान (-0.5° से. और 0.5° से. के बीच) रहने की संभावना है।

ऋतुनिष्ठ औसत माध्य तापमान (चित्र-3) हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम राजस्थान में सामान्य से $\geq 1^{\circ}$ से. अधिक गर्म रहने की संभावना है। जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली (एच.सी.डी), पूर्व और पश्चिम उत्तर प्रदेश, पूर्व राजस्थान, पूर्व और पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तटीय कर्नाटक और केरल में सामान्य से $\geq 0.5^{\circ}$ से. से $<1^{\circ}$ से. तक अधिक गर्म रहने की संभावना है। देश के शेष भागों में अधिकतम तापमान (-0.5° से. और 0.5° से. के बीच) लगभग सामान्य रहने की संभावना है।

मार्च से मई 2020 के दौरान उष्ण लहर वाले प्रमुख क्षेत्रों में अधिकतम तापमान के लगभग 43 प्रतिशत रहने की संभावना है (चित्र 4)। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, और तेलंगाना तथा मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र और तटीय आंध्र प्रदेश के मौसम वैज्ञानिक उपखंड उष्ण लहर वाले प्रमुख क्षेत्र हैं। इससे पता चलता है कि इस ऋतु के दौरान उष्ण लहर वाले प्रमुख क्षेत्रों में सामान्य से थोड़ा अधिक उष्ण लहर की स्थितियाँ रहने की संभावना है।

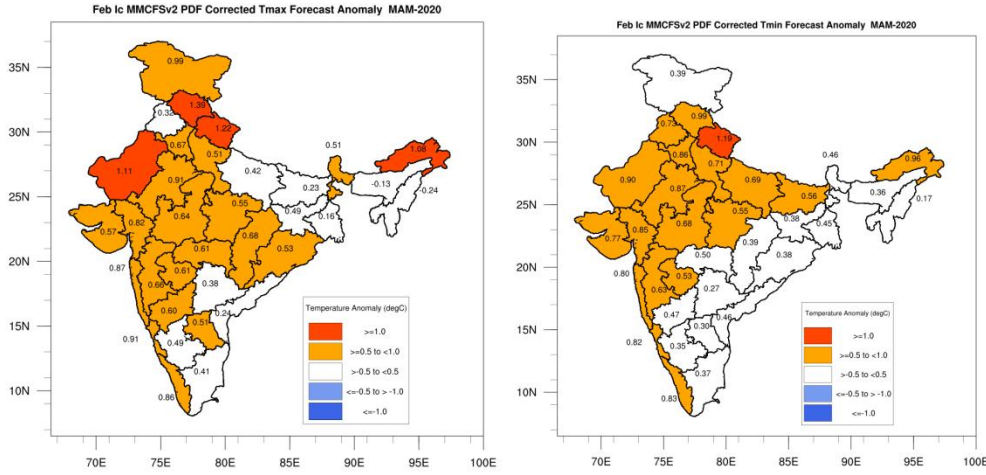
3. प्रशांत महासागर में ENSO स्थितियां

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में उष्ण एनसो (ENSO)- तटस्थ स्थितियां हैं और MMCFS के अद्यतन पूर्वानुमान से आने वाले मौसम में एस.एस.टी के ठण्डे रहने और पूर्वानुमान की

पूरी अवधि में एनसो (ENSO)- तटस्थ स्थितियों के बने रहने की संभावना है।

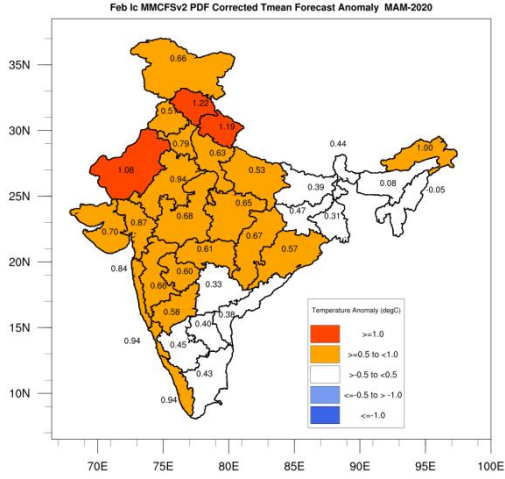
4. विस्तारित अवधि पूर्वानुमान सेवाएं

भारत मौसम विज्ञान विभाग प्रत्येक सप्ताह बृहस्पतिवार को देश के अधिकतम और न्यूनतम तापमानों का अद्यतन विस्तारित अवधि पूर्वानुमान (अगले चार सप्ताह के लिए 7 दिन का औसत पूर्वानुमान) भी उपलब्ध कराता है। यह बहु-मॉडल एंसेम्बल गतिकीय विस्तारित अवधि पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है जो वर्तमान में भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली में प्रचालन में है। ये पूर्वानुमान भारत मौसम विज्ञान विभाग दिल्ली की वेबसाइट (www.imd.gov.in) पर उपलब्ध हैं।

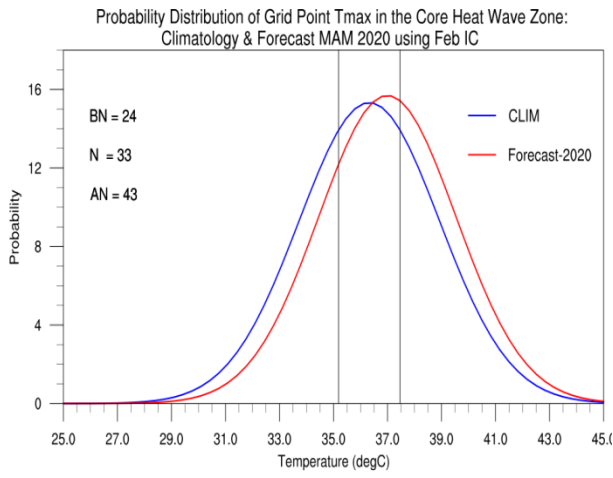


चित्र 1.मार्च से मई 2020 का उपखंड औसत अधिकतम तापमान विसंगति पूर्वानुमान

चित्र 2.मार्च से मई 2020 का उपखंड औसत न्यूनतम तापमान विसंगति पूर्वानुमान



चित्र 3.मार्च से मई 2020 का उपखंड औसत माध्य तापमान विसंगति पूर्वानुमान



चित्र 4.मार्च से मई 2020 के दौरान कोर उष्ण लहर क्षेत्र में ग्रिड बिंदु अधिकतम तापमान का जलवायविक संभाव्यता वितरण। साथ ही मार्च से मई 2020 का संभाव्यता वितरण पूर्वानुमान